एंटीमाइक्रोबियिल प्रतरिोध और मानव स्वास्थ्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र अंतर-समन्वय समूह ने 'No Time To Wait: Securing The Future From Drug-Resistant Infections' शीर्षक से एक रपिोर्ट जारी की है। इस रपिोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक हर साल दवा-प्रतरिोधी बीमारयिों से 10 मलियिन लोगों की मृत्यु की आशंका है।

प्रमुख बदिु

- एंटीमाइक्रोबियिल प्रतरिोध (Antimicrobial Resistance) एक वैश्वकि संकट है जो कसिी भी राष्ट्र की जनसंख्या के स्वास्थ्य को प्रभावति करता है और सतत् वकिास लक्ष्यों को हासलि करने में बाधा उत्पन्न करता है।
- मनुष्यों, जानवरों और पौधों में प्रतजिैवकि दवाओं के बढ़ते प्रयोग के कारण प्रतजिैवकि प्रतरिोध के प्रसार में तेज़ी आ रही है।
- इसके मद्देनज़र अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है, यद िऐसा नही होता है तो यह भावी पीढ़यिों के लयि वनिाशकारी साबति हो सकता है।
- मौजूदा समय में प्रतरिोधी रोगों के कारण वैश्वकि स्तर पर हर साल कम से कम 7,00,000 लोग मारे जाते हैं, जनिमें लगभग 2,30,000 ऐसे लोग शामलि हैं जो बहुऔषध-प्रतरिोधी तपेदकि (Multidrug-Resistant Tuberculosis) से मरते हैं।
- सही समय पर रोकथाम हेतु प्रयास नहीं कयि जाने की स्थत िमें यह बीमारी 2030 तक करीब 24 मलियिन लोगों को गरीबी के कगार पर पहुँचा देगी तथा आने वाली पीढ़यिों को अनयिंत्रति रोगाणुरोधी प्रतरिोध के वनिाशकारी प्रभावों का सामना करना पड़ेगा।
- रोगाणुरोधी प्रतरिोध के वाहक मनुष्यों, जानवरों, पौधों, भोजन और पर्यावरण में नहिति हैं।

  - इस प्रकार एक साझा दृष्टकिोण और लक्ष्यों वाले सभी हतिधारकों को एकजुट होकर कदम उठाने की आवश्यकता है।
  - सभी देशों के लयि ज़रूरी है क िवे ऐसी योजनाओं को प्राथमकिता दें जसिसे उनकी वत्तिीय एवं क्षमता नरि्माण में वृद्ध िहो एवं प्रतजिैवकिों के अधकि प्रयोग को रोकने के लयि तथा लोगों को जागरूक करने के लयि पेशेवर लोगों को भी साथ लाना ज़रूरी है।

- सभी देशों द्वारा प्रतजिैवकि प्रतरिोध से नपिटने हेतु नई प्रौद्योगकियिों के लयि अनुसंधान और वकिास में नविेश करना भी आवश्यक है।

प्रतजिैवकि प्रतरिोध पर संयुक्त राष्ट्र अंतर समन्वय समूह (Interagency Coordination Group-IACG)

- IACG की स्थापना 2016 में वशि्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation), खाद्य और कृष िसंगठन (Food And Agriculture Organisation) तथा वशि्व पशु स्वास्थ्य संगठन (world Organisation For Animal Health- OIE) के परामर्श से की गई थी।
- IACG का उद्देश्य एंटीमाइक्रोबियिल प्रतरिोध को रोकने के लयि व्यावहारकि रूप से मार्गदर्शन प्रदान करना है ताक िइसके प्रसार को रोका जा सके।

IACG की सफिारशिें

- **सभी देशों के वकिास की गत िको बढ़ाना**

सदस्य राज्यों हेतु एंटीमाइक्रोबियिल्स से नपिटने के लयि नए संसाधनों की पहुँच सुनश्चिति करने का प्रयास होना चाहयि। साथ ही एसडीजी के संदर्भ में एक स्वास्थ्य राष्ट्रीय रोगाणुरोधी प्रतरिोध कार्य योजना (One Health National Antimicrobial Resistance Action Plan) के वकिास और कार्यान्वयन में तेजी लाना।

- **भवषि्य को सुरक्षति करने के लयि नवाचार**

सरकारी, गैर-सरकारी, लोक हितैषी लोगों को इस क्षेत्र में निवेश करने हेतु आगे आना चाहिये ताकि उच्च गुणवत्ता वाले माइक्रोबियल्स का निर्माण हो सके। उच्च कोटि के नए माइक्रोबियल्स की पहुँच को सरल और सहज बनाने का प्रयास करना आवश्यक है।

- **अधिक प्रभावी कार्यवाही को प्रेरित करना**

रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रति एक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया प्राप्त करने हेतु नागरिक समूहों और संगठनों के बीच व्यवस्थित रूप से समन्वय आवश्यक है।

- **सतत् प्रतिक्रिया के लिये निवेश आकर्षित करना**

IACG एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध से निपटने के लिये ज़्यादा से ज़्यादा निवेश की आवश्यकता पर ज़ोर देता है, जिसमें सभी देशों में घरेलू निवेश शामिल है जो द्विपक्षीय और बहुपक्षीय वित्तीय विकास संस्थान तथा बैंक एवं निजी निवेशक हो सकते हैं।

- **मज़बूत जवाबदेही और वैश्विक शासन**

एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध से निपटने के लिये एक स्वास्थ्य वैश्विक नेतृत्व समूह की तत्काल स्थापना करने की आवश्यकता है, जो त्रिपक्षीय एजेंसियों (FAO, OIE, और WHO) द्वारा प्रबंधित एक संयुक्त सचिवालय द्वारा समर्थित हो।

एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के खिलाफ कार्रवाई के लिये एक स्वतंत्र पैनल का गठन करने की आवश्यकता है जो इसकी निगरानी करेगा और सदस्य राज्यों को रोगाणुरोधी प्रतिरोध से संबंधित विज्ञान और साक्ष्यों पर नियमित रिपोर्ट प्रदान करेगा।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/amr-could-cause-10-million-deaths-un